

विशेष रिपोर्ट

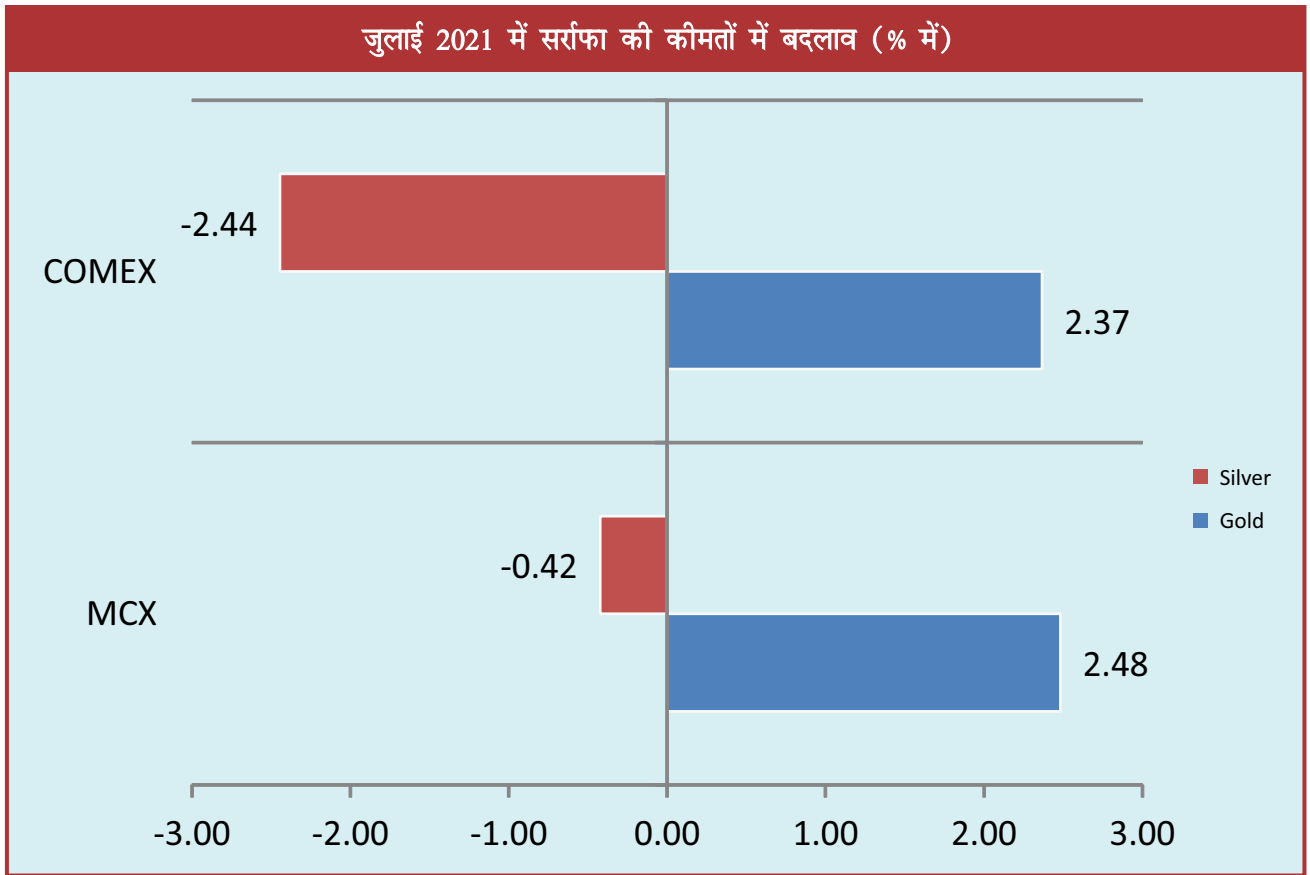
# बुलियन

( अगस्त 2021 )

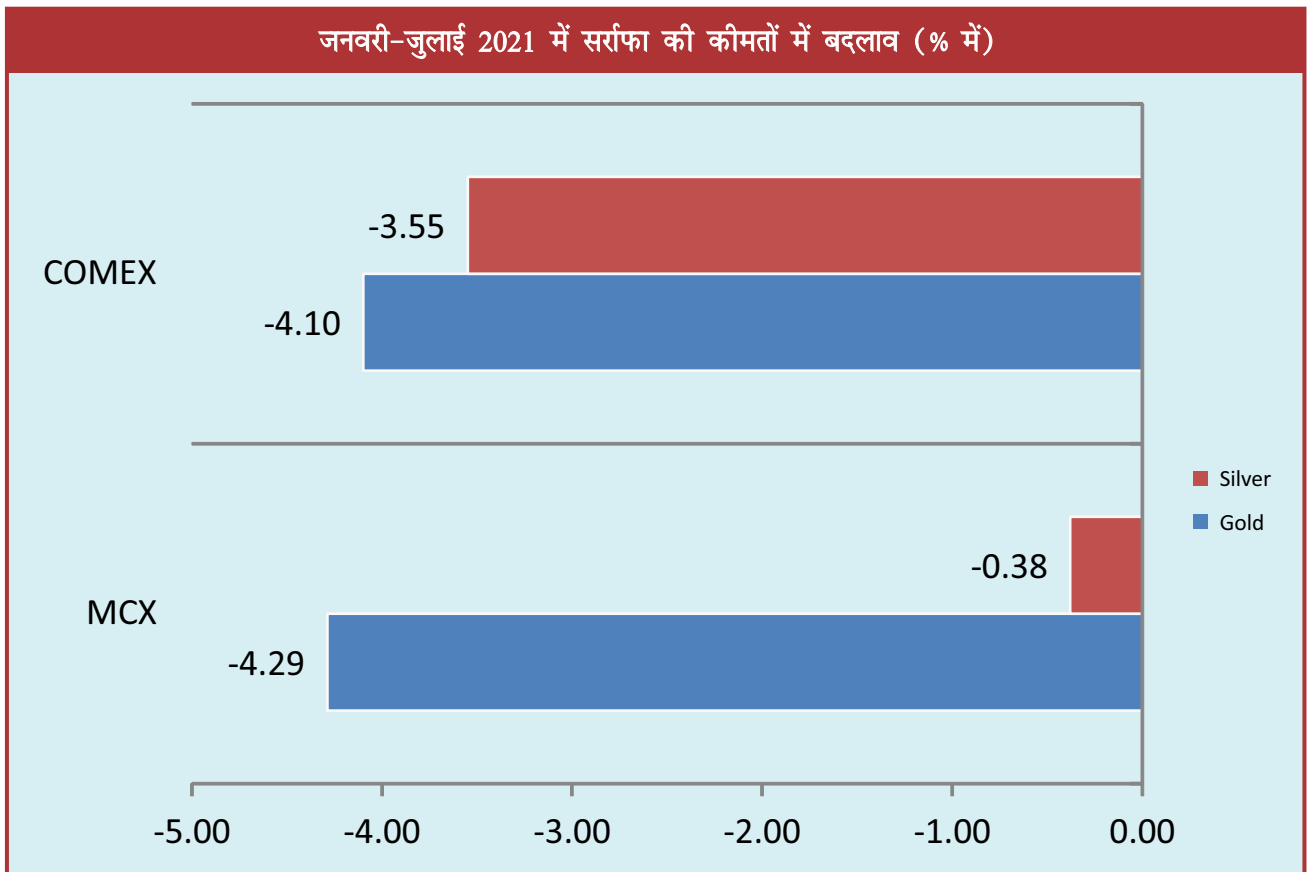


**smc**

Moneywise. Be wise.



स्रोत: एसएमसी रिसर्च एवं रॉयटर्स



स्रोत: एसएमसी रिसर्च एवं रॉयटर्स



जुलाई महीने में, सोने में अधिकतर नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार हुआ लेकिन माह के अंत में डॉलर के कमजोर होने से सभी एक्सचेंजों में कीमतें अंततः लगभग 2.5% की बढ़त के साथ बंद हुई है। फेड की मौद्रिक नीति के फैसले की प्रतिक्रिया में अमेरिकी डॉलर सूचकांक 1 महीने के निचले स्तर पर आ गया। फिर भी चांदी की कीमतें मासिक आधार पर बढ़त दर्ज करने में सफल नहीं हो सकीं। जैसी कि संभावना थी, फेड ने ब्याज और बांड खरीद को अपरिवर्तित रखा। फेड ने भी अपने आउटलुक को बेहतर बनाए रखा और कहा है कि वे परिसंपत्ति खरीद में कमी की शुरुआत की ओर बढ़ रहे थे। लेकिन अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने संपत्ति की खरीद को कम करने के लिए स्पष्ट समयरेखा नहीं दी। इसके साथ ही फेड अध्यक्ष ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बारे में उम्मीद के बावजूद ब्याज दरों में बढ़ोतरी अभी भी दूर है। इससे पहले जून में, फेड ने 2023 तक दो बार दरों में बढ़ोतरी की संभावना का अनुमान लगाकर वैश्विक बाजारों में हलचल मचा दी थी।

## आउटलुक

सोने की कीमतें तेजी के रुख के साथ एक दायरे में कारोबार कर सकती हैं। पिछले महीने फेड के फैसले से पता चलता है कि केंद्रीय बैंक अभी भी प्रतीक्षा और निगरानी करने की स्थिति में है। डेल्टा संस्करण के प्रसार के कारण बढ़ती अनिश्चितता के बीच यह उचित है। कोरोनावायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर कई देशों ने प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया है, जबकि अमेरिका ने भी यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है और टीका नहीं लिए लोगों के लिए मास्क पहनने की सिफारिश की है। चीनी आर्थिक दृष्टिकोण और वायरस की स्थिति से संबंधित घटनाक्रम भी बाजारों के फोकस में होगा। अभी के लिए, गहनों की मांग में सुधार, संभावित रूप से अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने और छोटी अवधि में विकास दर में किसी भी गिरावट से सोने की कीमतों को मदद मिल सकती है। अमेरिकी मुद्रास्फीति में हालिया उछाल से भी सोने की मांग को धन के बेहतर भंडार के कारण मदद मिल सकती है। सोने की तरह चांदी भी एक सुरक्षित निवेश वाली संपत्ति है, लेकिन इसका व्यापक रूप से उपयोग उद्योगों में किया जाता है। सौर पैनलों, ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) और चार्जिंग पॉइंट्स में इसके उपयोग के कारण विद्युतीकरण प्रक्रिया से चांदी लाभान्वित होने की ओर अग्रसर है।

अगस्त में, बुलियन काउंटर के नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है, जहां हम निचले स्तर से कुछ शॉर्ट कवरींग भी देख सकते हैं। चांदी की कीमतों के बहुत अस्थिर रहने की उम्मीद है और उच्च स्तर से भी बिकवाली की उम्मीद है।

## प्रमुख खबरें

- मौद्रिक नीति पर फेड का रुख:** 15-16 जून की नीति बैठक के बाद से दैनिक नए कोरोनावायरस मामले भले ही लगभग चौगुने हो गए हैं, लेकिन इसे लेकर अमेरिकी केंद्रीय बैंक अनावश्यक रूप से चिंतित नहीं है। फेड अध्यक्ष जेरोम पावेल ने कहा है कि जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए अपने समर्थन को वापस लेने का समय आएगा तब फेडरल रिजर्व संभावित रूप से मॉर्टगेज-समर्थित प्रतिभूतियों और ट्रेजरी की अपनी मासिक खरीद को एक साथ कम कर देगा। फेड का सतर्क रुख ऐसे समय में आया है जब यूरोपीय सेंट्रल बैंक और बैंक ऑफ जापान जैसे अन्य केंद्रीय बैंकों ने विकास को बढ़ावा देने के लिए समायोजन नीति के लिए समर्थन बनाए रखा है।
- वैश्विक आर्थिक सुधार को लेकर चुनौतियां बरकरार:** मिले-जुले अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों ने अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियों को उजागर किया है। दूसरी तिमाही में अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि पहली तिमाही के संशोधित 6.3 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक रही है लेकिन बाजार के 8.5 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से काफी कम है। आर्थिक मंदी, वायरस के बढ़ते मामलों और नियामकों की बढ़ती कार्रवाई के कारण चीन को लेकर चिंताएं अधिक हैं और इस कारण चीन का इक्विटी बाजार नवंबर 2020 के निचले स्तर पर आ गया है और बाजार के सेंटीमेंट में बहुत जल्द सुधार होने की संभावना नहीं है।
- बढ़ती मुद्रास्फीति एक प्रमुख चिंता का विषय है:** वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी हुई है। इस साल अमेरिका में भारी प्रोत्साहन खर्च के कारण मुद्रास्फीति की आशंका बढ़ गई है, जहां जून में उपभोक्ता कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है और तथाकथित पीसीई मूल्य सूचकांक 0.5% बढ़ा है अलग-अलग आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले महीने उपभोक्ता खर्च में 1% की वृद्धि हुई। नीतिगत सख्ती होने में देरी होने से मुद्रास्फीति अधिक बढ़ सकती है, जिससे वास्तविक ब्याज दरों को और नीचे धकेल सकती है। इस स्थिति में, उच्च मुद्रास्फीति और कम वास्तविक ब्याज दरों से सोना लाभान्वित हो सकता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के एक अध्ययन के अनुसार, मुद्रास्फीति में प्रत्येक 1% की वृद्धि के बाद सोने की मांग में 2.5% की वृद्धि होती है और इसलिए इसकी कीमत बढ़ जाती है।
- केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीदारी:** केंद्रीय बैंकों की सोने के लिए भूख बढ़ रही है, जो पारंपरिक निवेश के लिए एक बेहतर स्थान है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की त्रैमासिक रिपोर्ट के अनुसार, पहली छमाही में केंद्रीय बैंकों के वैश्विक भंडार में 333.2 टन की बढ़ोतरी हुई है, जो समान अवधि में पांच साल के औसत से 39% अधिक है, जिसमें थाईलैंड, हंगरी और ब्राजील द्वारा अधिक खरीद की गई है।
- विश्व स्तर पर सोने की मांग :** विश्व स्तर पर अप्रैल-जून तिमाही में सोने की मांग लगभग 955 टन हुई है, जो 2020 की समान तिमाही के लगभग बराबर रही है क्योंकि उपभोक्ताओं पर कोविड-19 महामारी के दूसरी लहर के प्रभाव बरकरार रहा। उपभोक्ताओं की ओर से मांग में मजबूती रिकवरी और दूसरी तिमाही में सोने के ईटीएफ में निवेश पहली तिमाही में हुए आउटफ्लो की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की नवीनतम 'गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स दूसरी तिमाही 2021' रिपोर्ट के अनुसार,

### एमसीएक्स में सोने की कीमतों में बदलाव



स्रोत: रायटर्स

### कोमेक्स में सोने की कीमतों में बदलाव



स्रोत: रायटर्स

### एमसीएक्स में चांदी की कीमतों में बदलाव



स्रोत: रायटर्स

### कोमेक्स में चांदी की कीमतों में बदलाव



स्रोत: रायटर्स

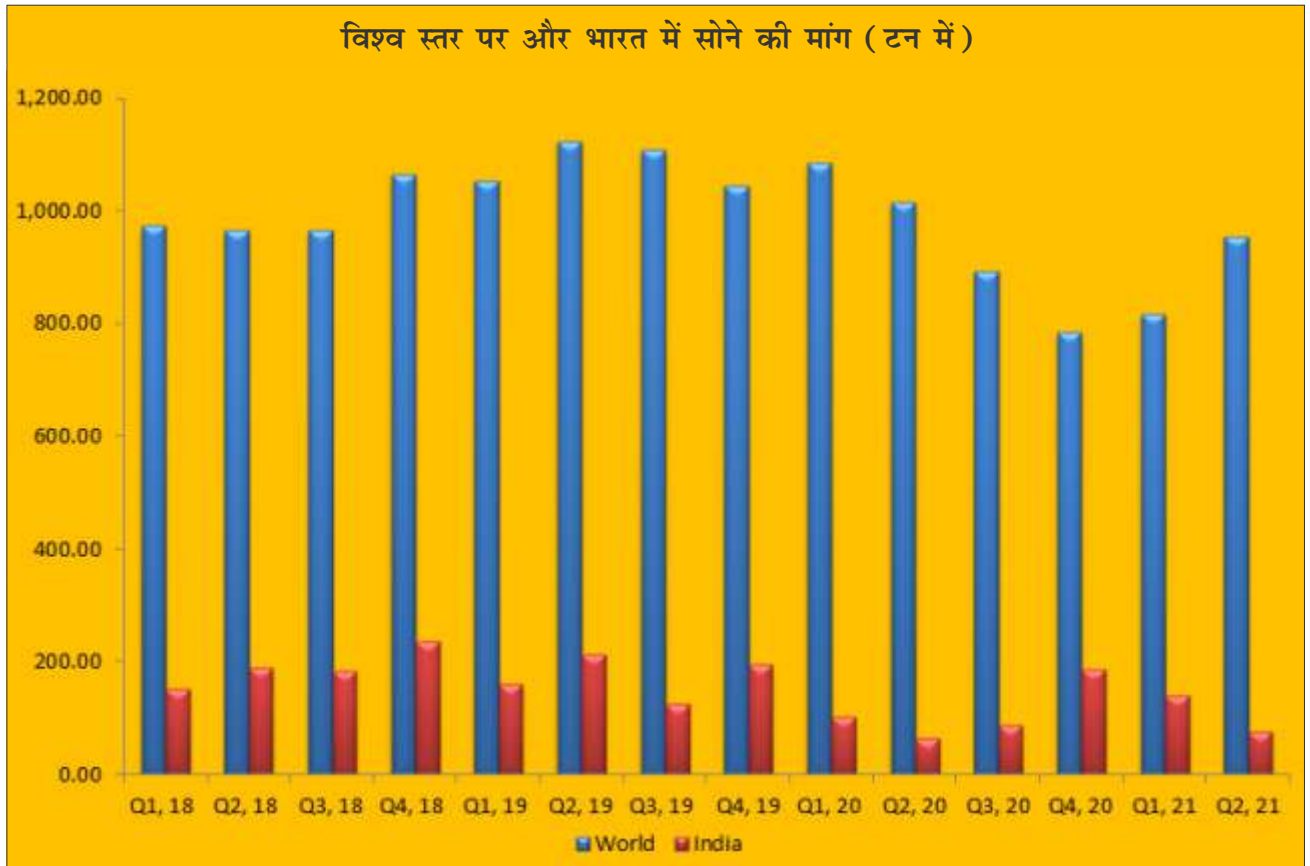
अगस्त 2021 में, सोने की कीमतें 46500-49500 रु और चांदी की कीमतें 65800-70900 रु के दायरे में कारोबार कर सकती है। जबकि कोमेक्स में सोने की कीमतें 1760-1835 डॉलर और चांदी की कीमतें 24.00-27.00 डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकती है।

वैश्विक स्तर पर सोने की मांग पहली छमाही में वर्ष-दर-वर्ष 11% कम होकर 1,833.1 टन रह गई है।

- 2020 की कोविड प्रभावित कमजोरी के बाद से अप्रैल-जून तिमाही में आभूषणों के लिए सोने की मांग (390.7 टन) में फिर से बढ़ोतरी जारी रही, लेकिन आंशिक रूप से भारतीय मांग में कम वृद्धि के कारण, महामारी से पहले के सामान्य स्तर से काफी कम रही। पहली छमाही में कुल मांग 873.7 टन हुई है, जो 2015-2019 के औसत से 17% कम है।
- लेकिन निवेश मांग में लगातार चौथी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष बढ़त दर्ज की गई क्योंकि निवेशकों ने सोने के बार्स, सिक्के और सोने के ईटीएफ की खरीददारी की। अप्रैल-जून तिमाही में 243.8 टन की मांग के परिणामस्वरूप पहली छमाही में कुल मांग 594 टन रहा, जो 2013 के बाद से सबसे अधिक है। दूसरी तिमाही में सोने के ईटीएफ (40.7 टन) की मांग में मामूली वृद्धि की भरपायी केवल आंशिक रूप से पहली तिमाही से भारी बहिर्वाह से हुई है। नतीजतन, ईटीएफ में 2014 के बाद पहली बार पहली छमाही शुद्ध निकासी (129.3 टन) हुई।
- इस साल अप्रैल-जून तिमाही में सोने की कुल आपूर्ति वर्ष-दर-वर्ष 13% अधिक और पहली छमाही में 4% अधिक रही है। उद्योग ने अप्रैल-जून तिमाही 2020- पिछले साल की सबसे बाधित तिमाही- की तुलना में कोविड से संबंधित व्यवधान का बहुत कम अनुभव किया है।

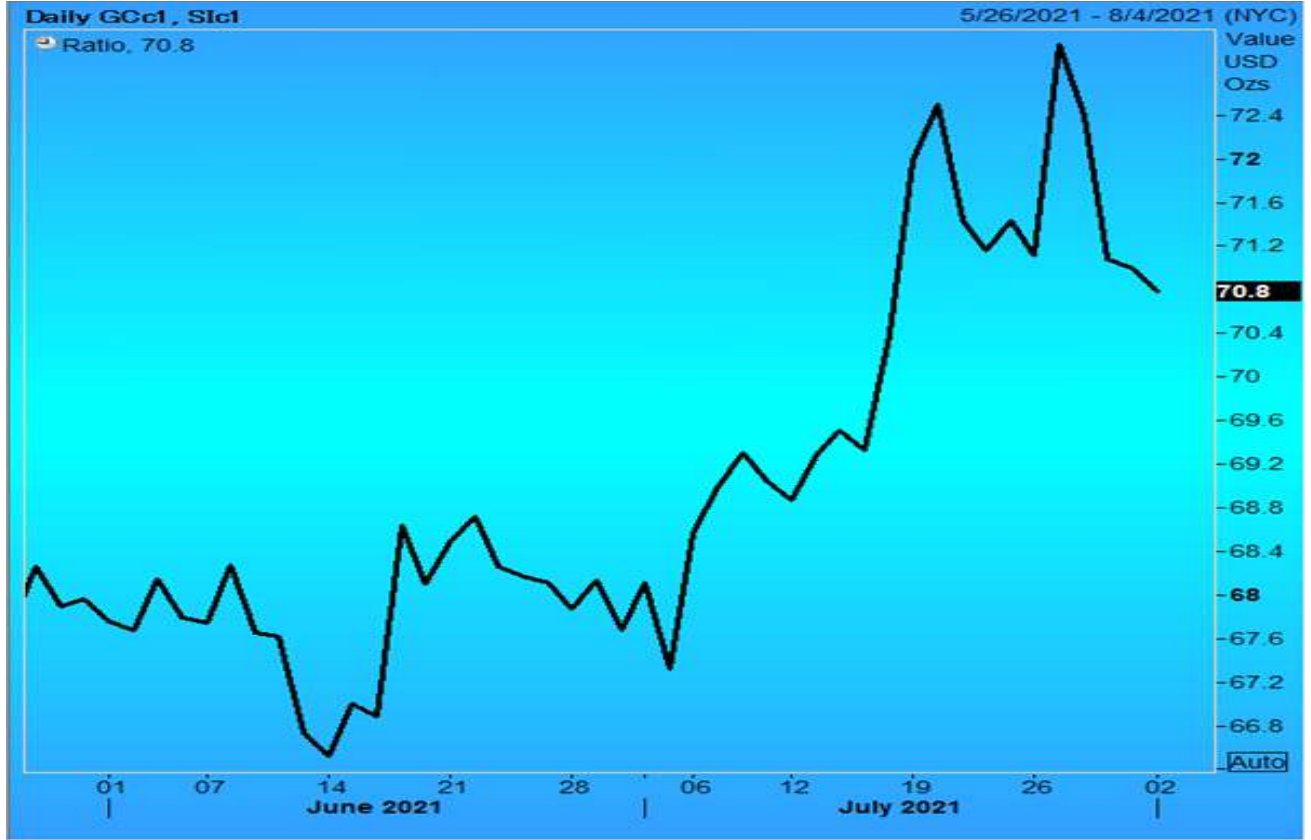
### भारत में सोने की मांग

- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार इस साल अप्रैल-जून तिमाही के दौरान भारत में सोने की मांग 19.2% बढ़कर 76.1 टन हो गई, जिसका मुख्य कारण यह है कि पिछले वर्ष काफी कम आयात हुआ था। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2020 की दूसरी तिमाही के दौरान सोने की कुल मांग 63.8 टन रही। मूल्य के संदर्भ में, भारत में सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 23% बढ़कर 32,810 करोड़ की रही, जबकि 2020 की इसी अवधि के दौरान 26,600 करोड़ रुपये की थी।
- आगामी दिनों में, सोने की मांग में बढ़े पैमाने पर रिकवरी आने की उम्मीद है, फिर भी उपभोक्ता विश्वास और व्यावसायिक प्रतिक्रिया कोविड की तीसरी लहर के खतरे और आर्थिक सुधार की गति के प्रभाव के अधीन है।



स्रोत: वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल

## सोने और चांदी का अनुपात



स्रोत: रायटर्स

**एनॉलसिस:** सोना/चांदी का अनुपात, जो सोने को खरीदने के लिए आवश्यक चांदी के औंस की संख्या को मापता है, जुलाई महीने में 67.5 से 71 के कम दायरे में रहा है। अगस्त में सोने और चांदी का अनुपात 68-73 के दायरे में रह सकता है।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- [www.smctradeonline.com](http://www.smctradeonline.com)



**Corporate Office:**  
11/6B, Shanti Chamber,  
Pusa Road, New Delhi - 110005  
Tel: +91-11-30111000  
[www.smcindiaonline.com](http://www.smcindiaonline.com)

**Mumbai Office:**  
Lotus Corporate Park, A Wing 401/402,  
4th Floor, Graham Firth Steel Compound,  
Off Western Express Highway, Jay Coach  
Signal, Goregaon (East) Mumbai - 400063  
Tel: 91-22-67341600,  
Fax: 91-22-67341697

**Kolkata Office:**  
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate  
No-4, 5th Floor, Kolkata-700001  
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000  
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएँ और संबंधित सेवाएँ करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉम्प्लाइड नेशनल कर्मांडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कर्मांडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कर्मांडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मचेट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड सेबी (रिजर्व एसोसिएट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिजर्व एसोसिएट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिन्क्रोटीज मार्केट/कर्मांडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिजर्व एसोसिएटों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री को शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार को परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिजर्व एसोसिएट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कर्मांडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

**दिसक्लेमर:** यह रिजर्व रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सब्सक्रिप्शन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा ज़रूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सत्ता को ज़रूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश को वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ) समय-समय पर किसी भी कर्मांडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोषित हो सकती है और वह इस कर्मांडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कर्मांडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और क्रोकेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विचार हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।